

न्यू ऑटोनॉमस फ्लाईंग वगि टेक्नोलॉजी डेमिऑनस्ट्रेटर

हाल ही में **रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन** (DRDO) द्वारा स्वायत्त फ्लाईंग वगि प्रौद्योगिकी प्रदर्शक/ऑटोनॉमस फ्लाईंग वगि टेक्नोलॉजी डेमिऑनस्ट्रेटर (**Autonomous Flying Wing Technology Demonstrator**) द्वारा एक नए मानव रहित हवाई वाहन की पहली परीक्षण उड़ान भरी गई।

- डीआरडीओ सशस्त्र बलों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये विभिन्न वर्गों के मानव रहित हवाई वाहन (**Unmanned Aerial Vehicles-UAVs**) विकसित करने की प्रक्रिया में है।

ऑटोनॉमस फ्लाईंग वगि तकनीक:

- परिचय:**
 - यह एक **मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहन (UCAV)** या एक लड़ाकू ड्रोन है जो एक फ्लाईंग वगि प्रकार है।
 - यह एक टेललेस फिक्स्ड-वगि विमान को संदर्भित करता है जो अपने मुख्य पंखों में अपने पेलोड और ईंधन को रखता है और पारंपरिक विमानों में पाए जाने वाले एक परिभाषित फ्यूजलेज जैसी संरचना नहीं है।
 - यदि इसे सटीकता के साथ नष्टिपादित किया जाए ड्रिऑन में उच्च ईंधन दक्षता और स्थिरता प्रदान करने की क्षमता है।
- अनुप्रयोग:**
 - भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र की मैपिंग
 - प्रभावित फसल क्षति का आकलन
 - बड़े पैमाने पर मैपिंग
 - यातायात नगिरानी और प्रबंधन
 - लोजिस्टिक्स सपोर्ट

वशिषताएँ:

- ऑटोनॉमस फ्लाईंग वगि टेक्नोलॉजी डेमिऑनस्ट्रेटर एक स्वायत्त गुप्त **UCAV** का एक उन्नत रूप है जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (ADE) द्वारा मुख्य रूप से भारतीय वायु सेना के लिये विकसित किया जा रहा है।
 - ADE, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अंतर्गत एक **प्रमुख वैमानिकी प्रणाली ड्रिऑन प्रयोगशाला** है।
 - यह **भारतीय सशस्त्र बलों** की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये अत्याधुनिक **मानवरहित हवाई वाहनों (UAV)** और वैमानिकी प्रणालियों एवं प्रौद्योगिकियों के ड्रिऑन व विकास में शामिल है।
- UCAV मिसाइलों और सटीक-नरिदेशित हथियारों को लॉन्च करने में सक्षम होगा।
- वाहन एक छोटे टर्बोफैन इंजन द्वारा संचालित है।

स्रोत: द हट्टि